13. सामान्य अशुद्धियाँ

भाषा में शब्दों तथा वाक्यों का शुद्ध उच्चारण तथा लेखन अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। व्याकरण के नियमों के अभाव में तथा अशुद्ध उच्चारण दोष के कारण कई प्रकार की सामान्य अशुद्धियाँ भाषा लेखन में आ जाती हैं। इन अशुद्धियों के कारण भाषा अर्थहीन तथा प्रभावहीन हो जाती है। अभ्यास के द्वारा इन अशुद्धियों को दूर किया जा सकता है।

- ❖ अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को कुछ शब्द बोलें, बच्चे उन शब्दों को लिखें। आप बच्चों द्वारा लिखे शब्दों की वर्तनी जाँचें।
- ❖ बच्चों को वर्तनी की सामान्य अशुद्धियों से अवगत करवाएँ।
- ❖ समझाएँ, भाषा में लिंग, वचन, क्रिया, संज्ञा, विशेषण आदि से संबंधित कई अशुद्धियाँ अकसर होती हैं।
- ❖ बच्चों को इस प्रकार की अशुद्धियों से अवगत कराते हुए पाठ पृष्ठ पर दिए गए उदाहरणों द्वारा समझाएँ।
- ❖ अशुद्ध-शुद्ध वाक्य पढ़वाएँ। एक-छात्र अशुद्ध वाक्य बोले, दूसरा उसका शुद्ध रूप पढ़ें।
- ❖ अध्यापक/अध्यापिका सभी बच्चों को समान रूप से वाचन करने का अवसर दें।
- ❖ पाठ अभ्यास करने में बच्चों की सहायता करें।